International Journal of Multidisciplinary Trends

E-ISSN: 2709-9369
P-ISSN: 2709-9350
Impact Factor (RJIF): 6.32
www.multisubjectjournal.com
IJMT 2025; 7(9): 08-10
Received: 22-07-2025
Accepted: 25-08-2025

डॉ. मधु लोमेश
हिन्दी विभाग , हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (विशेष) अदिति महाविध्यालय, दिल्ली विश्वमहाविध्यालय, दिल्ली, भारत

Corresponding Author:
डॉ. मधु लोमेश
हिन्दी विभाग , हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (विशेष) अदिति महाविध्यालय, दिल्ली विश्वमहाविध्यालय, दिल्ली, भारत

ए आई की दुनिया और हमारा अस्तित्व

मधु लोमेश

DOI: https://www.doi.org/10.22271/multi.2025.v7.i9a.769

सारांश
ए आई तकनीक का नैतिकता पूर्ण उपयोग करना जरूरी है | इसके प्रयोग के लिए स्पष्ट नियमों का निर्धारण करने की नीति पर काम करने की जरूरत है | उध्योग जगत कारपोरेट जगत के लिए व्यावसायिक चिंताएं प्रमुख हैं | सामाजिक विचारधारा , सांस्कृतिक चिंतन और भाषायी समृद्धि उनकी प्राथमिकता नहीं हो सकती | ए आई का बिना सोचे समझे मनमाना उपयोग घातक हो सकता है | सरकार द्वारा दोनों समीकरणों के बीच सही समन्वय रखते हुए इनका उपयोग सुगम तरीके से कैसे किया जा सके इस इसके लिए एक स्पष्ट नीति निर्माण अपेक्षित है | नवाचार को किस प्रकार किस दिशा में प्रोत्साहित किया जाए ताकि मानवीय जीवन और तकनीकी क्षेत्र में एक सही समन्वय स्थापित रहे इस दिशा में विश्व स्तरीय कार्य किए जाने की आवश्यकता है | सामूहिक साझेदारी द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश बनाए जाने की भी आवश्यकता है | एआई टूल्स हमारे लिए.... मानव जाति के विकास के लिए अपरिहार्य हैं पर उनका सही उपयोग जरूरी है | जरूरत के हिसाब से इनका उपयोग साथ ही डिजिटल दुनिया के संभावित खतरों से बचते हुए मानव जाति का तीव्र विकास कैसे हो सकता है इन चिताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल फायदे और नुकसान के आकलन के साथ करने की जरूरत है ताकि इस प्रकार की तकनीक हमारा ज्यादा नुकसान न कर सके |

कुटशब्द: एआई तकनीक, नैतिकता, नीति निर्माण, समाजिक विचारधारा, नवाचार, डिजिटल खतरों

प्रस्तावना
वर्तमान दौर ए आई के क्रांतिकारी रूप का संवाहक है | इंटरनेट के क्रांति के पश्चात आज हम तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से नई क्रांति को देखने जा रहे हैं | इंटरनेट युग की देन डिजिटल संचालित ग्राहक व्यवस्था से आज नए तरह के उपभोक्ता बन रहे हैं जिनके पास अपनी नितांत गोपनीय सूचनाओं को गोपनीय रखते हुए अपनी जरूरत के अनुरूप नए प्रकार से संवाद करने की क्षमता है| ए तकनीक एक सहयोगी रूप में अधिक निष्पक्ष ढंग से उद्यम बाजार और मार्केटिंग क्षेत्र में नए बदलाव करने की ओर बढ़ रहा है और हमें नई सुविधाजनक जीवन शैली अपनाने के लिए तैयार करने की ओर अग्रसर हो रहा है | हम आज ए के युग में प्रवेश कर चुके हैं | ए आई चैटबॉट इंटरनेट की दुनिया में काफी तेजी से काम करते हुए पहले ही अपनी पहचान बना चुका है |चैटबॉट कोडिंग, गणितीय आकलन, इमेज क्रिएशन, सूचना प्राप्ति और अनेक प्रकार के निर्देशो के साथ रिजनिंग जैसे कामों को दक्षता पूर्ण ढंग से करने में अधिक सक्षम है | हमारे जीवन में यह बहुत तेजी से रच बस रहा है आज इसके बिना सुगम जीवन की कल्पना मुश्किल हो सकती है | ए आई तकनीक हमारी दक्षताओं को बढ़ा रहा है | विभिन्न उद्योगों और जीवन उपयोगी क्षेत्रों में ए आई मानवीय दक्षताओं को बेहतर बनाने में संलिप्त है ! रोजमर्रा के कार्यों में हमारी सहायता कर रहा है - कम समय में हम बेहतर नतीजे तक पहुंच रहे हैं |

ए आई संचालित उपकरण बहुत तेजी से काम करते हुए इंसानी काबिलियत को चुनौती दे रहे हैं ! इनके द्वारा किए जाने वाले कार्य आंकड़ों के विश्लेषण निष्कर्ष मानव जाति के लिए सटीक और फायदेमंद हो सकते हैं | डेटा उपयोग करने की प्रणाली हो अथवा पूर्वानुमान लगाने की क्षमता ए तकनीक इन सभी कार्यों को बखूबी करने में सक्षम है | ए द्वारा मानवीय कौशल विकास को नई दिशा प्राप्त हो रही है | विश्व स्तर पर यदि आकलन किया जाए तो इस प्रकार की सेवाएं हमें नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मददगार सिद्ध होने वाली है |26 जनवरी 2025 को ए आई क्षेत्र में डीपसीक नामक कंपनी ने डीपसीक ए आई तकनीक का आगाज कर एक नए विकल्प को प्रस्तुत किया है भारत में डीपसीक सर्वाधिक डाउनलोड करने वाला एप बन चुका है | मोबाइल ऐप में इसे डाउनलोड करना अत्यधिक सरल है | युवाओं में ए आई तकनीक के प्रति बढ़ता जुनून बताता है कि आज की युवा पीढ़ी नई तकनीक को अपने के लिए अधिक जिज्ञासु है |

डीपसीक की दुनिया अत्यधिक तीव्र गति से कार्य करने में सक्षम है | इसे डाउनलोड करने के पीछे कारण भी यही है | डीप सीक का विकल्प दुनिया में नए प्रकार के वर्चस्व का प्रतीक बन कर उभरा है | इसके द्वारा सूचनाओं के अनंत विस्तार से जुड़ा जा सकता है , सूचनाओं के अन्य विकल्प के रूप में इसके निष्कर्ष पर्याप्त हैं | किसी गलत शब्द के साथ पूछा गया सवाल उस व्यक्ति के भावों को समझते हुए डीपसीक उसके संशोधित स्वरूप के साथ झटपट विस्तार के साथ प्रस्तुत कर सकता है | विभिन्न प्रकार की संबंधित सूचनाओं को प्रस्तुत कर सकता है | डीपसीक अभी तक चीन अमेरिका और वियतनाम में अधिक तेजी से उपलब्ध और लोकप्रिय था पर पिछले कुछ समय में भारत ने इसे सर्वाधिक डाउनलोड करके विश्व स्तर पर अपनी

धमक को दर्शाया है | डीपसीक की अभूतपूर्व कामयाबी से वैश्विक जगत की तकनीकी कंपनियां सुखद प्रतिक्रियाएं दे रही हैं | अभी इस प्रकार की एप्स के लिए बड़े पैमाने पर निवेश करने की आवश्यकता पड़ेगी | चैटबौट ने डीपसीक से प्रतिस्पर्धा को समझते हुए अपने प्रयासों में तेजी लाने का प्रयास आरंभ कर दिया है | हम नवाचार के माध्यमों से ए तकनीक में दक्षता हासिल करने की ओर प्रयासरत हो रहे हैं | ए आई का बाजार तेजी से बढ़ रहा है | ए आई तकनीकी सुविधा देने वाली कंपनियां तेजी से इस ओर कदम बढ़ा रही हैं |

हमें यह नहीं भूलना चाहिए की आई का बढ़ता संसार हमारे उत्तर को कितना सुरक्षितडेटा सुरक्षा की चिंता सभी उद्योगों और क्षेत्र में संबंधित कंपनियों से जुड़ी है गोपनीय डाटा रखना आज एक बहुत बड़ी चुनौती है ए क्षेत्र में हो रही निया ने प्रगति भले ही हमें फली ही हमें चमत्कृत कर रही हो पर यह नहीं भूल जा सकता की यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है खतरे को महसूस करना जरूरी है इसलिए यूरोपीय संघ ने ए तकनीक पर अनेक प्रतिबंधात्मक प्रावधान किए हैं आजीविका को समाप्त करने की चुनौती सर्वोपरि है इस दृष्टि से यह सोचना जरूरी हो जाता है की क्या मशीनी ताकत इंसानों की दुनिया को लहू लहू लुहान करने के लिए आमंत्रित की जाए अभी जाते वर्क पूंजीपति वर्ग अपने निहित स्वार्थ के लिए इन इस प्रकार के आविष्कारों के फायदे लाभ दिन आएगा और नई दुनिया के नए सपनों से आम जनता को भ्रमित करने के लिए इसका इस्तेमाल अपने हित के लिए करेगा क्या इस प्रकार का आचरण अनुकरणीय माना जाए

इस प्रकार की तकनीक और इससे जुड़े सपना सपना हमें भ्रमित करने के लिए नए प्रकार की दुनिया का चित्र हमारे समक्ष उकार रहे हैं वास्तव में सच यह है की विनिर्माण ग्राहक सेवा डेटा प्रविष्टि लिखिए कम शिक्षक एवं प्रशिक्षण परिवहन जैसे शब्दों में नौकरियों को संचालित करने का नए नवाचार एक बहुत बड़ी रोजगार पर चिंता है जिसके परिणाम स्वरूप लगभग 70% नौकरियों से हमें वंचित होना पड़ सकता है इटेल ए इटली इटली में ए आई द्वारा तैयार किया गया इतालवी समाचार पत्र इंफोग्लो ने इन्फो वीडियो आई नमक चार पेज वाला ए जेनरेटेड संस्करण प्रकाशित किया यह अपने आप में एक ऐसा प्रकाशित आई समाचार पत्र था जो पूरी तरह से इसी प्रकार की तकनीक को इस्तेमाल में करते हुए बनाया गया और एक माह तक इसे प्रकाशित किया गया यह समझ जा सकता है कि इस प्रकार का प्रयोग लेखन संपादन जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार मानवीय सेवाओं से वंचित कर रहा है यद्यपि ऐसे प्रयोग अभी काम है पर भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं हमें प्रभावित करेंगे

आज सभी सरकारी शिक्षा स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर वी नवाचार जैसे बुनियादी मुद्दों से जुड़कर निर्णय ले रही है और और स्वयं को अत्यधिक प्रगतिशील विकसित सिद्ध किए जाने की वकालत कर रही है नए-नए आई मॉडल पर काम करते हुए नए प्रकार के अविष्कारों से अवगत हो रही है पर यह जानना दिलचस्प है की क्या ए मॉडल लेटेस्ट और निष्पक्ष ढंग से तटस्थ और निष्पक्ष ढंग से कार्य करने में सक्षम है अथवा नहीं चीन के पास उपलब्ध लैंग्वेज मॉडल डीपसीक आर 1 विवादों का पर्याय बन गया है | अपने देश की आलोचना यह मॉडल नहीं करता, चीन संबंधी प्रतिबंधित जानकारी की सूचना नहीं देता और चीनी सरकार के अंकुश के दबाव में यह मॉडल नहीं बता पाता कि कोविड कहां से शुरू हुआ ? इस प्रकार यह माना जा सकता है कि अपनी संस्कृति सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया यह चीनी मॉडल किस प्रकार से आचरण कर रहा है | इसलिए इन पर पूर्णतया भरोसा करना कठिन है |आने वाले वर्षों में भारत भी एक एक डीपसीक मॉडल बनाने के लिए प्रयासरत है जो निष्पक्ष और तटस्थ होगा | वैश्विक स्तर पर हर प्रकार के सवालों का जवाब देने में दक्ष होगा | थ्यानमन चौक पर क्या हुआ था ? इसका जवाब चीनी डीपसीक नहीं दे सकता ! अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चीनी सरकार की क्या राय है ? यह पूछा जाए तो चीनी डीपसीक शांत रहता है |

यूआई भी एक नई प्रकार की ए तकनीक है जिसका अर्थ है यूजर इंटरफेस | बिल गेट्स के अनुसार "आने वाला समय इस प्रकार का होने वाला है जब अलग-अलग कामों के लिए हमें अलग-अलग एप्स का इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं रहेगी | हम अपनी डिवाइस को अपनी ही भाषा में बता सकेंगे कि हम क्या करना चाहते हैं और यू आई इंसान और मशीनों के बीच एक सेतु रूप में काम करते हुए बेहतर संवाद का माध्यम बनेंगे | सरल यूआई के परिणाम स्वरुप आज मशीन के साथ ज्यादा सहज और तीव्र संवाद करना संभव हुआ है | किसी भी प्रकार की जानकारी तक पहुंचाने के लिए यूआई अपने यूजर्स के साथ अधिक स्पष्ट तरीके से सहायक बन रहा है | यह रिश्ता ठीक उसी प्रकार से हो सकेगा जिस प्रकार एक दोस्त दूसरे दोस्त से संवाद करता हो |" 2023

वास्तव में आज यह साकार भी हो गया है ! ए आई तकनीक का संचालन करने के लिए आज अंग्रेजी भाषा का समृद्ध ज्ञान अपेक्षित नहीं रहा | अब हम हम अपनी किसी भी भाषा के द्वारा ए आई से संवाद कर सकते हैं | ए आई से संवाद करने की भाषा को ही कोडिंग कहा जाता है | पहले कोडिंग की भाषा अंग्रेजी तक सीमित होने के कारण इसका विस्तार अधिक नहीं था पर आज जेनरेटिव आई के आगमन से हम जब चैटबॉट ग्रोक जेमिनी या किसी भी प्रकार के मॉडल से जब संवाद कर रहे होते हैं तो वास्तव में हम कोडिंग ही कर रहे होते हैं | यूजर्स के ही निर्देशों का पालन करते हुए ये ऐप्स डिकोडिंग द्वारा हमें सूचना संसार से अवगत कराती हैं | माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला के अनुसार "अब वक्त आ गया है जब मशीन की भाषा हमें सीखने के बजाय अब मशीनों को हमारी भाषा सीखनी होगी और वीडियो के जैसा हुआ भी इसका समर्थन करते हुए लिखते हैं कि हम में से अब किसी को भी कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं है अब अंग्रेजी या कोई भी अन्य प्रकृति भाषा नई कोडिंग की भाषा बन सकती है |"

रचनात्मक दृष्टि से परिपक्व बनाने में भी ए आई तकनीक सक्षम सिद्ध हो सकती है| कला का क्षेत्र हो या साहित्य लेखन अथवा किसी भी अन्य प्रकार का रचनात्मक कार्य ए आई तकनीक का उपयोग करते हुए हम अपने रचनात्मक कौशल में सुधार ला सकते हैं उसे और अधिक रचनात्मक बनाने में कामयाबी हासिल कर सकते हैं | ए आई तकनीक के माध्यम से अनेक प्रयोग किए जा सकते हैं | नए नए एप्स हमें कंटैंट लेखन के गुर सीखा रहे हैं | कंटैंट राइटिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है | अलग विषयों पर लेखन करने के अतिरिक्त ब्लॉग, पोस्ट, वेबसाइटेस के लिए लेखन के लिए ए आई एप्स रचनात्मक कौशल में दक्ष बना सकती हैं | डिजिटल माध्यमों के लिए लेखन ही नहीं कॉर्पोरेट जगत के लिए लेखन किस प्रकार किया जाए ? कंपनी की मांग के अनुरूप लेखन, शोध परक लेखन भाषायी पकड़ आदि दृष्टियों से लेखन क्षमता का विकास किया जा सकता है | जानकारीपूर्ण संदेश पोस्ट अथवा कंटैंट आपके काम को नई पहचान दिला सकता है | यदि हम कुछ एआई टूल्स का उपयोग अपने कामों के लिए सही ढंग से सीख लें तो अपने उत्पाद और सेवाओं का विस्तार अधिक से अधिक लोगों तक कर सकते हैं | इस प्रकार के तकनीकी स्किल्स सर्च इंजन्स चैट जीपीटी ओपन एआई , जेस्पर, जेमिनी डीपसीक द्वारा सहज ही सीखे जा सकते हैं | ये हमें नई सूचनाओं से अवगत करा रहे हैं | नए प्रकार के कंटेंट का उत्पादन करके हमें चमत्कृत कर रहे हैं ! उदाहरण के लिए सेम ओल्ड मैन ने ट्विटर पर यूजर्स से क्रिएटिव वीडियो बनाने के लिए जब मार्गदर्शन मांगा तो भारतीय व्यवसायी कुणाल शाह ने समुद्र में साइकिल रेस की कल्पना करते हुए समुद्र में अलग-अलग जानवरों द्वारा पानी में साइकिलिंग रेस करने की संकल्पना की | इस विचार को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए ओपन आई 16 ने वीडियो को असली रूप प्रदान किया जो वास्तव में कुणाल की रचनात्मकता को नया आयाम प्रदान करने का ही एक सफल प्रयास था ! कहा जा सकता है कि हम अपनी रचनात्मक सोच को साकार करने के लिए यदि ए तकनीक का इस्तेमाल सकारात्मक ढंग से करें तो इसके परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं ! इनमें एक सीमा तक ही क्षमता के अनुरूप परिणाम दिखाई दे सकते हैं | उदाहरण के लिए मस्क द्वारा निर्मित ग्रोक नमक ए आई ऐप अनेक प्रकार के विवादों से घिरी है | यह एक प्रकार का लार्जर लैंग्वेज मॉडल है जिसमें इस प्रकार की प्रोग्रामिंग की गई है कि यूजर जिस भाषा में सवाल पूछे उसका जवाब उसी भाषा में हो | साथ ही जवाब पूछने वाले की उम्मीद से बहुत आगे बढ़कर उत्तर प्राप्त होता है | ग्रोक से प्रश्न अनेक प्रकार से पूछे जा सकते हैं पर उनके उत्तर बुद्धिमानी पूर्वक दिए जाएंगे अथवा मजाकिया ढंग से कहा नहीं जा सकता | अनेक बार ऐसा भी देखा गया है कि प्रश्नों के उत्तर सीमाओं को लांघते हुए अशोभनीय-अभद्र भाषा गाली गलौज की भाषा में मिलते हैं ..

अश्लील भाषा में भी उत्तर प्राप्त हुए हैं | इस प्रकार के परिणामों से ग्रोक पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे हैं | संभवतः इस प्रकार से दिये जाने वाले उत्तर की परिकल्पना मस्क की अपनी एक विशिष्ट अंदाज शैली के रूप में विकसित की गई है | ये उत्तर बड्बोलेपन उद्दंडतापूर्ण हो सकते हैं ! हालांकि मस्क इस बारे में पहले ही आगाह कर चुके हैं कि "जिन्हे हास्य विनोद मज़ाक या चुहलबाजी पसंद नहीं है ग्रोक उनके लिए सही मंच नहीं है !" अनेक बार उद्दंडतापूर्वक जवाब देने की शैली भी यूजर्स को चिंतित करती है पर यह सब इस बात पर ही निर्भर करता है कि पूछने वाला किस प्रकार के प्रश्न पूछ रहा है और यूजर्स की मानसिकता को भाँपते हुए ग्रोक उसी के अनुरूप उत्तर देने का प्रयास करने लग जाता है | इस प्रकार का आचरण चिंतित करने वाला है | आज यह माना जाने लगा है कि मशीनों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने के साथ साथ नैतिक बोध भी अपेक्षित है | हम जिस प्रकार से मशीनों के माध्यम से हम अपने कार्यों को करने में लगे हैं वह निश्चित रूप से अनेक समस्याओं को जन्म देगा | ए आई का विकसित रूप हमारे लिए अप्रिय स्थितिया उत्पन्न न कर दे इस से सावधान रहना जरूरी है | व्यावसायिक कंपनियां अपने लाभ कमाने के मद्देनजर नैतिकता पूर्ण आचरण से अपना दामन पहले ही छुड़ा चुकी हैं |

निष्कर्ष

ए आई तकनीक का निर्माण करते समय लक्ष्य स्पष्ट थे कि इस प्रकार की मशीन बनाई जाए जो हम मनुष्यों की तरह ही सोचे समझे और व्यवहार करें |1950 के दशक में एलन ट्यूरिंग द्वारा एक बेंचमार्क प्रस्तावित करते हुए यह पता लगाने का कार्य किया गया कि क्या मशीनें इंसान की भांति बातचीत कर सकती हैं ? अथवा नहीं... और मशीन और एक इंसान के बीच हुई बातचीत का आकलन यदि करें तो उसके परिणाम क्या होंगें ? इसका उद्देश्य यह पता करना भी था कि क्या ए आई मॉडल इंसानों की तरह सोचने समझने की कला में विकसित किया जा सकता है अथवा नहीं ? अब इतने वर्षों के पश्चात ट्यूरिंग टेस्ट नमक परीक्षण ए आई मशीनों पर किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले थे | नए शोध में यह दावा किया गया है कि ओपन ए के जीपीटी 4.5 ए आई मॉडल और मेटा के एम एल ए एम ए मॉडल ने ट्यूरिंग टेस्ट के दौरान सर्वाधिक इंसानों जैसा व्यवहार करके दिखाया | वह इंसानों की तरह सोचने में भी अव्वल रहा, बुद्धिमानी व्यवहार कुशलता के पैमाने पर वह पहले के शोधों कि तुलना में अधिक सफल रहा | कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार जीपीटी 4.5 मॉडल ने सबसे अधिक 73% बार इंसानों जैसे व्यक्तित्व का आचरण करने में अपनी दक्षता दिखाई पर प्रश्नों के उत्तर में ये मॉडल्स इंसानी कुशलता जैसे प्रखर नहीं सिद्ध हो सके ! इस प्रकार कहा जा सकता है की मशीन मनुष्य आचरण के अनुसार व्यवहार करने के लिए कुशल तो है पर हुबहू इंसानी व्यक्तित्व को आत्मसात करने की दिशा में वह पूर्णतया सफल नहीं हो सकते हैं | इसलिए ए तकनीक का नैतिकता पूर्ण उपयोग करना जरूरी है | सरकारों को इसके प्रयोग के लिए स्पष्ट नियमों का निर्धारण करने की नीति पर काम करने की जरूरत है | ऊध्यम जगत कारपोरेट जगत के लिए व्यावसायिक चिंताएं प्रमुख हैं | सामाजिक विचारधारा , सांस्कृतिक चिंतन और भाषायी समृद्धि उनकी प्राथमिकता नहीं हो सकती | ए आई का बिना सोचे समझे मनमाना उपयोग घातक हो सकता है | सरकार द्वारा दोनों समीकरणों के बीच सही समन्वय रखते हुए इनका उपयोग सुगम तरीके से कैसे किया जा सके इस इसके लिए एक स्पष्ट नीति निर्माण अपेक्षित है | नवाचार को किस प्रकार किस दिशा में प्रोत्साहित किया जाए ताकि मानवीय जीवन और तकनीकी क्षेत्र में एक सही समन्वय स्थापित रहे इस दिशा में विश्व स्तरीय कार्य किए जाने की आवश्यकता है| सामूहिक साझेदारी द्वारा स्पष्ट दिशा निर्देश बनाए जाने की भी आवश्यकता है | एआई टूल्स हमारे लिए.... मानव जाति के विकास के लिए अपरिहार्य हैं पर उनका सही उपयोग जरूरी है | जरूरत के हिसाब से इनका उपयोग साथ ही डिजिटल दुनिया के संभावित खतरों से बचते हुए मानव जाति का तीव्र विकास कैसे हो सकता है इन चिताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल फायदे और नुकसान के आकलन के साथ करने की जरूरत है ताकि इस प्रकार की तकनीक हमारा ज्यादा नुकसान न कर सके | इनका उपयोग करते समय ध्यान रखना जरूरी है कि जो जानकारियां जुटाई जा रहीं है उनका सदु पयोग हो , साधारण जन जीवन के लिए वे खतरों को जन्म न दें और मानवीय दिमाग के अनुरूप हों | यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनकी प्रोग्रामिंग किस प्रकार से की गई है ! ए तकनीक की प्रोग्रामिंग के अनुरूप ही उनका क्रियान्वयन सामने आता है और साथ ही समय के साथ उनमें ज्ञान और क्षमताओं का विस्तार भी बढ़ता रहता है |

संदर्भ

1. समाचार पत्रों में प्रकाशित सूचनाओं के आधार पर, www.livehindustan.com
2. एक्स पर शेयर सूचनाओं के अंश- (बिल गेट्स , मस्क , सत्य नडेला, सुंदर पिच्चई)